रजिस्ट्री सं० डी०(डी०)-72

REGISTERED No. D. (D.)72

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 181] नई दिल्ली, बुधवार, मई 7, 1980/वैशाख 17, 1902

No. 181] NEW DELHI, WEDNESDAY, MAY 7, 1980/VAISAKHA 17, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 मई, 1980

सांविधिक आदेश—राष्ट्रपति द्वारा दिए गए निम्नलिखित आदेश को सामान्य जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है।

आदेश

चूंकि संविधान के अनुच्छेद 356 के खण्ड (1) के अन्तर्गत 17 फरवरी, 1980 को जारी की गई एक उद्घोषणा के द्वारा यह घोषित किया गया है कि बिहार राज्य विधान मण्डल की शक्तियों का प्रयोग संसद द्वारा अथवा संसद के प्राधिकार के अन्तर्गत किया जाएगा;

और चूंकि संसद ने उस राज्य की समेकित निधि से वित्तीय वर्ष 1980-81 के एक भाग के लिए सेवाओं के संबंध में व्यय करने का प्राधिकार दे दिया है;

और चूंकि इस प्रकार से प्राधिकृत रकम को सेवाओं और प्रयोजन के संबंध में अपर्याप्त पाया गया है;

और चूंकि लोक सभा का सत्र नहीं चल रहा है और जब तक संसद व्यय की मंजूरी न दे दे तब के लिए उपर्युक्त राज्य की समेकित निधि से और अधिक व्यय करने का अधिकार देना आवश्यक है;

इसलिए अब संविधान के अनुच्छेद 357 के खण्ड (1) उप-खण्ड (ग) के अनुसरण में मैं, नीलम संजीव रेड्डी, भारत का राष्ट्रपति, एतद्द्वारा प्राधिकार देता हूं कि संसद की मंजूरी मिलने तक इससे संलग्न अनुसूची के कालम 3 में निर्दिष्ट रकमों के संबंध में वित्तीय वर्ष 1980-81 के दौरान किए जाने वाले खर्च को पूरा करने के लिए बिहार राज्य की समेकित निधि में से कुल मिला कर चौवालिस करोड़, सैंतालिस लाख अड़तीस हजार रुपए जो इससे संलग्न सूची के कालम 2 में विनिर्दिष्ट सेवाओं और प्रयोजनों के लिए है, खर्च किए जाएं।

अनुसूची

क्रम संख्या	स्वीकृति/विनियोग की संख्या और सेवा तथा प्रयोजन	रकम निम्न से अधिक नही		
		बिहार राज्य की समेकित निधि पर भारित व्यय	बिहार राज्य की समेकित निधि से पूरा किया जाने वाला अन्य व्यय	जोड़
1	2	3	4	5
		रुपये	रुपये	रुपये
1.	3. मंत्रिपरिषद, निर्वाचन, सचिवालय तथा जिला प्रशासन	—	8,70,00,000	8,70,0 0,000
2.	5. भू-राजस्व, देवी विपत्तियों के संबंध में राहत	—	8,00,00,000	8,00,00,000
3.	10. पुलिस, आग से बचाव व नियंत्रण तथा अन्य प्रशासनिक सेवाएं	—	3,35,00,000	3,35,00,000
4.	14. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण	—	66,43,000	66,43,000
5.	15. लोक स्वास्थ्य, सफाई और जल पूर्ति तथा नगर विकास	—	17,56,00,000	17,56,00,000
6.	18. सामाजिक सुरक्षा और कल्याण	—	95,55,000	95,55,000
7.	19. सहकारिता	—	1,52,40,000	1,52,40,000
8.	28. सिंचाई और बिजली	—	3,72,00,000	3,72,00,0000
	जोड़	—	44,47,38,000	44,47,38,000

नीलम संजीव रेड्डी, राष्ट्रपति
[संख्या० एफ० 2 (103) बी० (एस)/80]
अखिलेश चन्द्र तिवारी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Ecomomic Affairs)
NOTIFICATION

New Delhi, the 7th May, 1980

S. O. 298(E) :— The following Order made by the President is published for general information.

ORDER

Whereas by a proclamation issued on the 17th February, 1980, under clause (1) of article 356 of the Constitution, it has been declared that the powers of the Legislature of the State of Bihar shall be exercisable by or under the authority of Parliament;

And whereas Parliament has authorised expenditure from the Consolidated Fund of that State for the services for a part of the financial year 1980-81;

And whereas the amount so authorised is found to be insufficient in cases of certain services and purposes;

And whereas the House of the People is not in session and it is necessary to authorise expenditure from the Consolidated Fund of that State pending the sanction of such expenditure by Parliament;

Now, therefore, in pursuance of sub-clause (c) of clause (1) of article 357 of the Constitution, I, Neelam Sanjiva Reddy, President of India, hereby authorise that, pending the sanction by parliament, expenditure of sums not exceeding those specified in column 3 of the Schedule annexed hereto and amounting in the aggregate to the sum of forty-four crores, forty-seven lakhs and thirty-eight thousand rupees, may be incurred from and out of the Consolidated Fund of the State of Bihar towards defraying the several charges during the financial year 1980-81 in respect of the services and purposes specified in column 2 of the said Schedule.

SCHEDULE

S.No.	Grant/Appropriation No. and services and purposes.	Sums not exceeding		
		Expenditure charged on the Consolidated Fund of the State of Bihar.	Other expenditure to be met out of the Consolidated Fund of the State of Bihar	Total
1.	2.	3.	4	5
1.	3. Council of Ministers, Election, Secretariat and District Administration.	—	8,70,00,000	8,70,00,000
2.	5. Land Revenue and Relief account of Natural Calamities.	—	8,00,00,000	8,00,00,000
3.	10. Police, Fire Protection and Control and other Administrative Services.		3,35,00,000	3,35,00,000
4.	14. Health and Family Welfare.	—	66,43,000	66,43,000
5.	15. Public Health, Sanitation and Water Supply and Urban Development.		17,56,00,000	17,56,00,000
6.	18. Social Security and Welfare.	-	95,55,000	95,55,000
7.	19. Co-operation	-	1,52,40,000	1,52,40,000
8.	28. Irrigation and Electricity.	—	3,72,00,000	3,72,00,000
	Total	—	44,47,38,000	44,47,38,000

NEELAM SANJIVA REDDY, President
[F. No. 2 (103)-B(S)/80]
A. C. TIWARI, Jt. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1980.